1	2	3	4
सूरज सिंह	10,000	63,920	—
लखन नायक	12,500	69,008	50,000
बालरू	12,500	82,380	50,000
ललवा	12,500	83,192	50,000
विपती	12,500	76,856	50,000
लालू	12,500	80,664	50,000
बुधसेन	12,500	62,566	50,000

उपर्युक्त मामलों में किसी भी प्रकार की सहायता राशि देनी बकाया नहीं है ।

उत्तम गुणवत्ता के कोयले का उत्पादन करने के लिए निजी क्षेत्र में कोयला धोवनशालाएं (कोल वाशरीज)

4278. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री वीरेन जे० शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा देश में उत्तम गुणवत्ता के कोयले का उत्पादन करने के लिए कोयला धोवनशालाओं (कोल वाशरीज) की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए एक योजना बनाई गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत क्या-क्या प्रोत्साहन दिए जाने हैं ;

(ग) क्या देश में उत्तम गुणवत्ता के कोककारी कोयले का उत्पादन करने के लिए कोई समय-सीमा भी निर्धारित की गई है, यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक कोककारी कोयले का देश में उत्पादन करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ; और

(घ) देश में कहां-कहां कितनी-कितनी क्षमता वाली कोयला धोवनशालाएं (कोल वाशरीज) स्थापित करने की योजना है एवं वर्ष 1993-94 के दौरान देश में ऐसे कार्यों को करने की उत्पादन की क्षमता सम्पन्न धोवनशालाओं में कुल कितनी मात्रा में कोयले का धोवन किया गया/उत्पादन किया गया ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां । कोल इंडिया लि० ने निजी क्षेत्र में कोयले की वाशरियों की स्थापना को प्रोत्साहित किए जाने के लिए एक योजना निष्पादित की है ।

(ख) को०इं०लि० कोयले की व्यवस्था करेगा और यह धुलाई प्रभारों की अदायगी भी करेगा । यह वाशरियों के लिए अपेक्षित भूमि को पट्टा तथा परियोजना को स्थापित किए जाने के लिए सभी तरह की तकनीकी सहायता भी मुहैया करेगा । इस संबंध में उद्यमियों से यह आशा है कि वे अपनी ओर से निवेश, डिजाइन, निर्माण करने तथा वाशरियों को चलाए जाने और चालू किए जाने का कार्य करेंगे ।

(क) चूंकि यह योजना आरंभिक चरण में है, अतः इसके लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है । एक तकनीकी दल द्वारा 1993 में किए गए मूल्यांकन के अनुसार 8 वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक देशीय धुले तथा सीधे फीड कोककर कोयले की उपलब्धता 15.09 मि० टन होगी, जोकि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० और विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी ।

(घ) वर्तमान में निजी क्षेत्र में स्थापित किए जाने के लिए को० इं० लि० द्वारा निम्नलिखित वाशरियों को विनिर्दिष्ट किया गया है :—

वाशरियों के नाम	वार्षिक क्षमता
1. से० को० लि० में पौरेज	1.75 मिलियन टन
2. भा० को० लि० में गोलकडीह .	0.6 मिलियन टन
3. ना० ई० को० की टिकाक .	0.6 मिलियन टन

वर्ष 1993–94 में 11.74 (अनन्तिम) मि० टन धुले हुए/कोककर कोयले का उत्पादन किया गया है ।

विदेशी वित्तीय संस्थाओं की सहायता से कोयला परियोजनाओं का पूरा किया जाना

4279. **श्री राम जेठमलानी :**
प्रो० विजय कुमार मलहोत्रा :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या देश में दिसम्बर, 1993 के अंत तक कुल कितनी कोयला उत्पादन परियोजनाएं निर्माणाधीन थीं ;

(ख) इनमें से उन परियोजनाओं की संख्या कितनी थी जिन्हें विदेशी वित्तीय संस्थाओं के वित्तीय सहयोग से पूरी की जा रही थी तथा इन वित्तीय संस्थाओं